EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
एक भारत श्रेष्ठ भारत

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

भाषा संगम
Bhasha Sangam
Bengali
Volume 02

STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.

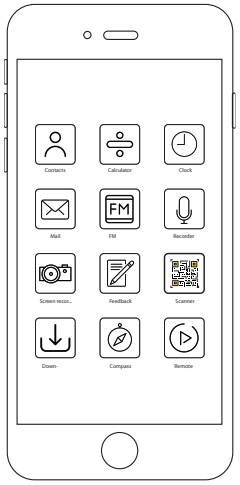

Install QR Code Scanner app from Play Store and open

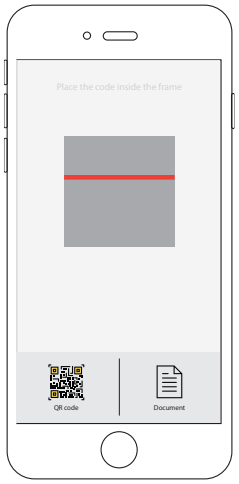

Get ready with QR code scanning window

Place scanner above the QR code

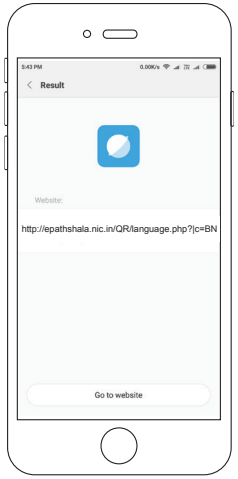

Select and click on the link

Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc.
2. Go to the ePathshala website (http://epathshala.gov.in) and click on ***Ek Bharat Shreshtha Bharat*** Menu
3. Select the language and access the audio and video

भाषा संगम

Bhasha Sangam

BS02BN

Bengali

Volume 02

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पुष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र

(धर्मेन्द्र प्रधान)

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

Bhasha Sangam is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam.*

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखेने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।

Sridhar Srivastava

Sridhar Srivastava
Director
National Council of Educational Research and Training
New Delhi 110016

एक भारत श्रेष्ठ भारत
भाषा संगम

आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी–थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज़्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की ख़ूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए **"एक भारत, श्रेष्ठ भारत"** के अंतर्गत **'भाषा संगम'** कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। **'भाषा संगम'** हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरूआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।

पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को ज़रूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद ज़रूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में ज़रूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के ज़रिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए ज़रूरी है कि स्कूल में सभी अपनी ज़िम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की ज़िम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

भाषा संगम के लिए तैयारी– कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाज़ों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मज़ा लें। इस मज़े में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की ज़रूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।

- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की ज़रूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओँ में सामग्री मिल सकती है:
  - राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
  - राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
  - जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
  - सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
  - चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
  - नेशनल बुक ट्रस्ट

सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मज़ाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस ख्याल को ज़हन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओँ के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह ज़रूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें। आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

- हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओँ के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में हैं। दूसरा, रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर ज़ोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

Ek Bharat Shreshtha Bharat
Bhaashaa Sangam

We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bhaarat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

Objectives of Bhaashaa Sangam

- To familiare students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster lingustic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

Implementation of *Bhaashaa Sangam*

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam,* students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii**. In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourge them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
  - National Council of Educational Research and Training
  - State Council of Educational Research and Training
  - District Institutes for Education and Training
  - Centre for Cultural Resources and Training
  - Children Film Society
  - National Book Trust
  - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

Process of learning: Children's responses

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.

Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
প্রথম দিন - জানাশোনা	**प्रोथोम दीन जाना-शोना**	**पहलादिन जान-पहचान**	**Prothom Deen Jaana shona**	**First day Introduction/ Familiarisation**
তোমার নাম কি?	तोमार नाम कि?	आपका नाम क्या है?	Tomar naam ki?	What is your name?
আমার নাম কবিতা ।	आमार नाम कोबीता।	मेरा नाम कोबिता है।	Amar naam Kobita.	My name is Kobita.
তুমি কোন শ্রেণীতে পড়ো?	तुमिकोन श्रेणिते पड़ो?	आप किस कक्षा में पढ़ती हैं?	Tumi kon shrenitey poro?	In which class do you study?
আমি অষ্টম শ্রেণীতে পড়ি।	आमि ऑष्टोम श्रेणिते पौड़ि।	मैं कक्षा आठ में पढ़ती हूँ।	Ami astam shreniteypori.	I study in Class VIII.
তোমার বাবা – মায়ের নাম কি?	तोमार बाबा मायेर नाम कि?	आपके माँ-पिता का नाम क्या है?	Tomar baba-mayer naam ki?	What are the names of your parents?
আমার মায়ের নাম শ্রীমতী রমলা এবং বাবার নাম শ্রী বিকাশ।	आमार मायेर नाम श्रीमती रमोला एबौंग बाबारनाम श्री बिकाश।	मेरी माँ का नाम श्रीमती रमोला और पिता का नाम श्री बिकाश है।	Amar mayer naam Srimoti Romala ebong babar nam Sri Bikash.	My mother's name is Srimoti Romala and my father's name is Sri Bikash.

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
তুমি কোথায় থাকো?	तुमि कोथाय थाको?	आप कहाँ रहती हैं?	Tumi kothai thako?	Where do you live?
আমি কলকাতায় থাকি।	आमि कोलकाताय थाकि।	मैं कोलकाता में रहतीहूँ।	Ami Kolkatai thaki.	I live in Kolkata.
দ্বিতীয় ও তৃতীয় দিন লেখা-পড়া	**दीतीयो ओ तृतीयो दीन लेखा पॉड़ा**	**दूसरा और तीसरा दिन मेरा विद्यालय**	**Dbitiya O tritiyo din Lakha –Pora**	**Second & third day My School**
তোমার বিদ্যালয়ের নাম কি?	तोमार बिद्यालयेर नाम कि?	आपके विद्यालय का नाम क्या है?	Tomar bidyalayer naam ki?	What is the name of your school?
আমার বিদ্যালয়ের নাম আদর্শ বালিকা বিদ্যালয়।	आमार बिद्यालयेर नाम आदर्श बालिका बिद्यालय।	मेरे विद्यालय का नाम आदर्श बालिका विद्यालय है।	Amar bidhyalayer naam Adorsho Balika Bidyalaya.	The name of my school is Adarsh BalikaVidyalaya.
তোমার শ্রেণী শিক্ষক কোন বিষয় পড়ান?	तोमार श्रेणि शिक्खॉक कोन बिषॉय पॉड़ान?	आपके कक्षा अध्यापक कौन-सा विषय पढ़ाते हैं?	Tomar shreni sikkhak kon bisoy poran?	Which subject does your class teacher teach?
আমাদের শ্রেণী শিক্ষক বাংলা ভাষা পড়ান।	आमादेर श्रेणि शिक्खॉक बांगला भाषा पॉड़ान।	मेरे कक्षा अध्यापक बांगला भाषा पढ़ाते हैं।	Amader shrenisikkhak Bangla bhasa poran.	Our class teacher teaches Bengali language.

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
কোন বিষয়ে তুমি সবচেয়ে বেশি আগ্রহী?	कोन बिषॉए तुमि शबचेए बेशी आग्रोही?	आपकी किस विषय में अधिक रुचि है?	Kon bisaye tumi sobcheye beshi agrohi?	Which subject interests you the most?
আমি ভাষা শিখতে ভালোবাসি।	आमि भाषा शिखते भालोबाशी।	मुझे भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	Ami bhasa sikhte bhalobasi.	I like learning languages.
তুমি ভাষা শিখতে কেন আগ্রহী?	तुमि भाषा शिखते कैनो आग्रोही?	आपको भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	Tumi bhasa sikhte keno agrohi?	Why do you like learning languages?
এখানে কবিতা আছে, এখানে গল্প আছে আর এখানে নাটকও আছে।	एखाने कोबिता आछे, एखाने गॉलपो आछे आर नाटोक ओ आछे।	इसमें कविताएँ होती हैं, इसमें कहानियाँ होती हैं, इसमें नाटक होते हैं।	Ekhane kobita ache, ekahne golpo ache aar ekhane natak o ache.	I like learning languages because they have poetry, stories and drama.
হ্যাঁ ...হ্যাঁ ... নাটকতো আমরা অভিনয়ও করতে পারি।	हैं-हैं नाटोक तो आमरा ओभिनौ ओ कोरते पारी।	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	Han...han... natakto amra abhinay o korte pari.	Yes, we can perform dramas.
তুমি কোন কোন ভাষা বলতে পারো?	तुमि कोन-कोन भाषा बोलते पारो?	आप कौन-कौन सी भाषायें बोल सकते हैं?	Tumi kon kon bhasa bolte paro?	Which are the languages you can speak?

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
আমি বাংলা, ইংরেজি আর হিন্দি বলতে পারি।	आमि बांगला, इंग्रेजी आर हिन्दी बोलते पारि।	मैं बांगला, अंग्रेजी और हिन्दी बोल सकता हूँ।	Ami Bangla, Ingreji ara Hindi bolte pari.	I can speak Bengali, English, and Hindi.
চতুর্থ দিন আমারমা-বাবা	**चोतर्थो दिन आमार माँ-बाबा**	**चौथा दिन मेरे माता-पिता**	**Chotartho Din Amar Maa – Baba**	**Fourth day My Parents**
তোমার বাড়িতে কে রান্না করেন?	तोमार बाड़ी ते के रान्ना कॅरेन?	आपके घर में खाना कौन बनाता है?	Tomar barite ke ranna koren?	Who cooks food in your house?
আমার বাবা – মা দুজনেই বাড়িতে রান্না করেন।	आमार बाबा मा दुजोनेय बाड़ीते रान्ना कॅरेन।	माँ और पिताजी दोनों खाना बनाते हैं।	Amar baba-maa dujonye barite ranna koren.	Both my father and mother cook food in our house.
তোমাকে বিদ্যালয়ে কে পৌঁছে দেন?	तोमाके बिद्यालये के पौऊछे देन?	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	Tomake bidyalaye ke pouche den?	Who drops you at school?
কখনো বাবা আবার কখনো মা আমাকে বিদ্যালয়ে পৌঁছে দেন।	कौखोनो बाबा आबार कौखोनो मा आमाके बिद्यालये पोंऊछे दैन।	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	Kokhono baba abar kokhono maa amake bidhyalaye pouche den.	Either my father or my mother drop me at school.

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
পেরেন্ট – টিচার মিটিং এ কে আসেন?	पेरेन्ट-टीचर-मीटींग ए के आशेन?	अभिभावक-शिक्षक (पैरंट-टीचर) मीटिंग में कौन आता है?	Parent-teacher meeting-e ke aashen?	Who comes to attend parent-teacher meeting?
কখনো বাবা আবার কখনো মা আসেন।	कॅखोनो बाबा आबार कॅखोनो माँ आशेन।	पी.टी.एम. में कभी माँ और कभी पिता जी आते हैं।	Kakhono baba abar kakhono maaaashen.	Sometimes my father and sometimes my mother come to the PTM.
পঞ্চম দিন খাদ্য	**पाँचम दिन खाद्दो**	**पाचवाँदिन खान-पान**	**Paunchom Din Khaddo**	**Fifth day Food**
তুমি কি খেতে সবচেয়ে বেশি ভালোবাসো?	तुमि कि खेते शौबचे बेशी भालोबाशो?	आपको खाने में क्या पसंद है?	Tumee kee khete sobcheye beshi bhalobasho?	What do you like to eat?
আমি খিচুড়ি খেতে ভালোবাসি।	आमि खिचूड़ी खेते भालोबाशी।	मुझे खाने में खिचड़ी पसंद है।	aami khichudi khete bhalobaashi.	I like to eat khichdi.
তোমার এলাকায় কোন ফল বেশি পাওয়া যায়?	तोमार एलाकाए कोन फौल बेशी पावा जाए?	आपके इलाक़े में कौनसा फल ज़्यादा मिलता है?	Tomaar elakaye, kon faul beshi pawa jae?	Which fruit is plentily available in your area?

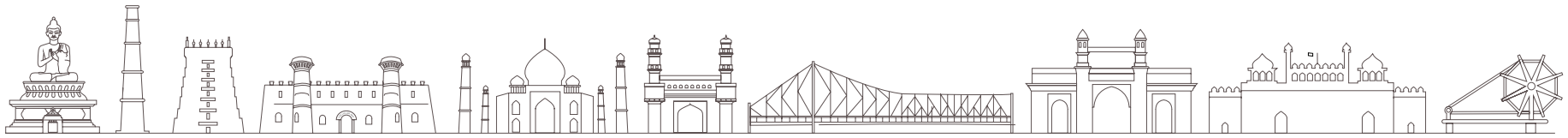

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
আমাদের এখানে পেয়ারা আর পেঁপে বেশি পাওয়া যায়, কিন্তু আমি কলা খেতে ভালোবাসি।	आमादेर एखाने पेआरा आर पेंपे बेशी पावा जाए किन्तु आमि कॉला खेते भालोबाशी।	हमारेयहाँअमरूद, पपीता ज़्यादा मिलता है।लेकिन मुझे केला पसंदहै।	Amaader ekhaanea peyaara aar pepey beshi pawa jae, kintu aami kaula khete bhalobashi.	Guava and Papaya are available in my area, but I like Banana.
ষষ্ঠদিন স্বাস্থ্য	**षॉष्ठों दिन शाश्थो**	**छठादिन स्वास्थ्य**	**Shashtho Din Shashtho**	**Sixth day Health**
তুমি সকালে কখন ঘুম থেকে ওঠো?	तुमि शॉकाले कॉखोन घूम थेके ओठो?	आप सुबह कब जागते हैं?	Tumi shaukale kaukhon ghum theke otho?	At what time do you wake up in the morning?
আমি সকাল ছয়'টায় ঘুম থেকে উঠি।	आमि शॉकाल छॉटाय घूम थेके उठी।	मैं सुबह छ: बजे उठता हूँ।	Aami shokal chautae ghoom theke uthi.	I wake up at six O'clock in the morning.
তুমি কি রোজ শরীর চর্চা করো?	तूमी कि रोज शोरीर चॅर्चा कौरो?	आप कसरत करते हैं?	Tumi ki roj shorir chaurcha kauro?	Do you do exercise daily?
হ্যাঁ, আমি যোগ করি।	हैं, आमि जोगा कोरी।	हाँ! मैं योग करती/करता हूँ।	hain, aami jog kori.	Yes, I do yoga.

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
তোমাদের বিদ্যালয়ে কি কোন যোগব্যায়ামের শিক্ষক আছেন?	तोमादेर बिद्यालये कोनो योग बैयामेर शिक्खौक आछेन?	आपके स्कूल में कोई योग शिक्षक हैं?	Tomaader bidyalaye kono yog byayamer shikkhak achen?	Is there a yoga teacher in your school?
হ্যাঁ, আমাদের বিদ্যালয়ে যোগব্যায়ামের শিক্ষক আছেন।	हैं, हैं, आमादेर विद्यालये जोग ब्यामेर शिक्खक आछेन।	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षक हैं।	Hain, aamader bidyalaye yog byayamer shikkhak aachen.	Yes, we have a yoga teacher in our school.
উনি আমাদের যোগ এবং অন্যান্য ব্যায়াম শেখান।	उनी आमादेर जोग एबँग उन्नानो ब्य्याम शेखान।	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाती हैं।	Uni amaader yog ebong onanyo byayam shekhan.	She teaches us yoga and other excercises.
সপ্তম দিন খেলাধূলা	**शौप्ताम दिन खेलाधूलो**	**सातवाँदिन खेल-कूद**	**Shauptom Din Kheladhulo**	**Seventh day Games and Sports**
তুমি খেলতে ভালোবাসো?	तुमि कि खेलते भालोबाशो?	आपको खेलना पसंद है?	Tumi khelte bhalobasho?	Do you like to play?
হ্যাঁ আমি ফুটবল খেলতে ভালোবাসি।	हैं, आमि फुटबॉल खेलते भालोबाशी।	मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है।	Hain ami football khelte bhalobaashi.	Yes. I like to play football.

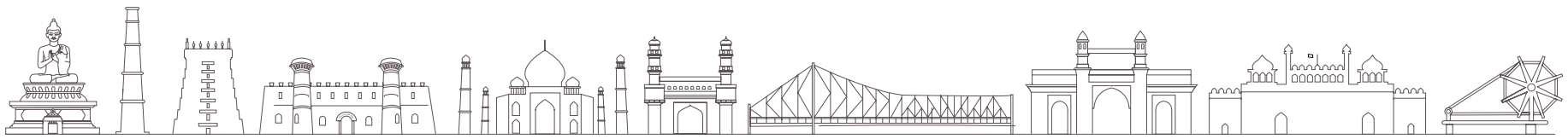

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
আমি ইনডোরগেমস পছন্দ করি, আর তুমি?	आमि इंडोर गेम्स पॉछोन्दो कोरी, आर तुमि?	मुझे इनडोर गेम पसंद है और आपको?	Aami indoor games pauchondo kori, aar tumi?	I like indoor games and what about you?
হ্যাঁ আমিও।আমি টেবিল টেনিস খেলি।	हैं आमियो। आमि टेबल टेनिस खेली।	मुझे भी।मैं टेबल-टेनिस खेलता/ खेलती हूँ।	Hain aamio aami table tennis kheli.	I too. I play table tennis.
তুমি কি ভিডিওগেমস খেল?	तुमि कि विडियो गेम्स खैलो?	आप वीडियो गेम खेलती हैं?	Tumi ki video games khelo?	Do you play video games?
না, আমি ভিডিওগেমস পছন্দ করিনা।আমি বাইরে খেলতে ভালোবাসি।যেমন –কবাডি।	ना, आमि भिडियो गेम पॉछोन्दो कोरि ना। आमि बाइरै खेलते भालोबाशी। जैमोन- कबड्डी।	नहीं, मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंदहै जैसे कबड्डी	Naa, aami video games pauchondo kori naa. aami bairee khelte bhalobashi jaimon- kabaddi.	No, I don't like video games. I play outdoor games like Kabaddi.

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
অষ্টম, নবমএবংদশমদিন আমাদেরচারপাশ	**ऑष्टोम, नॉवॉम एबोंग दॉशोम दिन आमादेर चारपाश**	**आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास**	**austom, naubom ebong Daushom Din Amaader Chaarpas**	**Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings**
কোন নদী তোমাদের ক্ষেত্র দিয়ে প্রবাহিত হয়?	कोन नदी तोमादेर क्षेत्र दीए प्रोबाहितो हौय?	आपके इलाके में कौन-सी नदी बहती है?	Kon nodi tomaader khetra diye probahito hauye?	Which river flows in your area?
আমাদের ক্ষেত্রে দামোদর নদী বয়ে যায়।	आमादेर खेत्रे दामोदर नोदी बोए जाए।	मेरे इलाके में गंगा नदी बहती है।	aamaader khetrey Damodar nodi boye jae.	River damodarflows through my village.
এর আশেপাশে অনেক বাগান আছে।	एर आशे-पाशे ऑनेक बागान आछे।	उसके किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	Er aashey paashe oanek baagan aachey.	There are many gardens on its banks.
আমরা সবাই ওখানে ঘুরতে যাই।	आमरा शौबाई ओखाने घूरते जाई।	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	Aamra shaubai okhane ghurte jaee.	We go there for a stroll/walk.
তুমি কোথায় ঘুরতে যাও?	तुमि कोथाये घूरते जाओ?	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	Tumi kothae ghurte jao?	Where do you go for a stroll/walk?

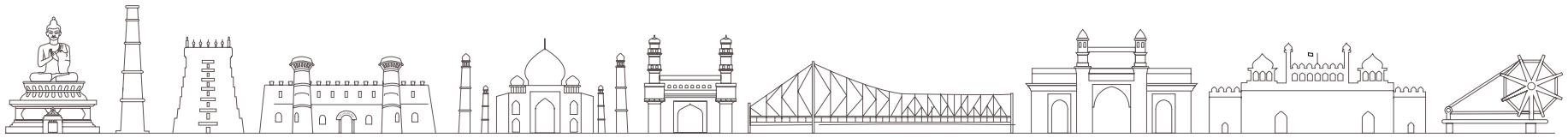

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
আমরা পার্কে ঘুরতে যাই।	आमरा पारके घूरते जाई।	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	aamra parkey ghurte jaee.	We go to the park for a stroll/walk.
আমাদের শহরের বাইরে একটা পাহাড় আছে।	आमादेर शॉहोरेर बाईरे एकटा पाहाड़ आछे।	हमारे शहर के बाहर एक पहाड़ है।	aamader shohorer bairey ekta paharda achey.	There is a hill outside our city.
ওখানে ঘোরার জন্য খুব সুন্দর জায়গা আছে।	ओखाने घोरार जॉन्ने खूब शून्दॅर जाएगा आछे।	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	Okhane ghorar jonyo khoob shundor jaiga aachey.	This is a nice place to move around.
তোমার এলাকায় কি চাষের জমি আছে?	तोमार एलाकाये कि चाशेर जॅमी आछे?	आपके इलाक़े में खेत हैं?	Tomaar elakae ki chaasher jomi aache?	Are there fields in your area?
হ্যাঁ, আমাদের এলাকায় অনেক চাষের জমি আছে।	हाँ, आमादेर एलाकाये ऑनेक चाशेर जॅमी आछे।	हाँ, हमारे इलाक़े में बहुत खेत हैं।	Hain, aamader elakae aunek chaasher jomi aache.	Yes, there are a lot of fields in our area.
ওখানে জঙ্গলও আছে।	ऑखाने जौंगोलो आछे?	वहाँ जंगल भी है।	Okhane jongol-o aachey.	There is also a jungle/forest.
ঐ জঙ্গলে একটা ঝর্ণাও আছে।	ओइ जौंगोले ऐकटा झॅरना ओ आछे।	उस जंगल में एक झरना है।	Oi jongole-e ekta jhurna o aachey.	There is a waterfall in the jungle.

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
তুমি কি ঝর্ণা দেখেছো?	तुमि कि झॅरना देखेछो?	आपने झरना देखा है?	Tumi ki jhaurna dekhecho?	Have you seen a waterfall?
না, আমি দেখতে চাই।	ना, आमि देखते चाई।	नहीं, मैं देखना चाहूँगा।	Naa, aami dekhtey chai.	No, I would like to see one.
আমাদের গ্রামে এসো। আমি তোমাকে ঝর্ণা দেখাবো।	आमादेर ग्रामे एशो। आमि तोमाके झॅरना दैखाबो।	मेरे गाँव आना, मैं तुम्हें झरना दिखाऊगाँ।	aamader graame esho. aami tomaake jhaurna dekhabo.	Come to our village, I will show you the stream.
একাদশ দিন আবহাওয়া	**एकादॅश दिन आबोहावा**	**ग्यारहवाँ दिन मौसम**	**Ekadaush Din aabohawa**	**Eleventh day Weather**
উফ, আজ খুবগরম। এখন বৃষ্টি হওয়া উচিত।	उफ! आज खूब गॉरॉम। ऐखोन ब्रिश्टी हॉवा उचित।	उफ़! आज बहुत गर्मी हो रही है।अब वर्षा होनी चाहिए।	Uff, aaj khub gaurom. aekhon brishti hauwa uchit.	Oh! It's too hot today. I wish it rains.
তোমাদের অঞ্চলে আবহাওয়া কেমন?	तोमादेर औंचोले आबोहॉवा कैमोन?	आपके क्षेत्र में मौसम कैसा है?	Tomaader aunchole abohawa kemon?	How is the weather (like) in your area?
এখানে আবহাওয়া বেশিরভাগ শীতোষ্ণ বা একটু গরম থাকে।	एखाने आबोहॉवा बेशिर भाग शीतोष्ण एकटु गॉरोम थाके।	यहाँ का मौसम सामान्य या गरम रहता है।	akhane abohawa beshit bhagh shitoshno ektu gaurom thaake.	The weather there is moderate or hot generally.

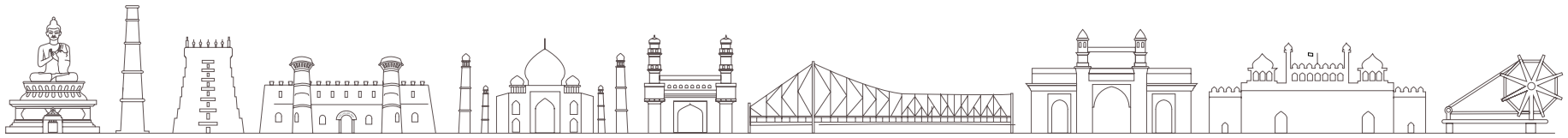

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
তুমি কি মরুভূমি দেখেছো?	तुमि कि मॉरुभूमि देखेछो?	क्या आपने रेगिस्तान देखा है?	Tumi ki morubhumi dekhecho?	Have you seen a desert?
না, আমি মরু ভূমি দেখিনি।	ना, आमि मॉरुभूमि देखिनी।	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा।	Naa, aami morubhomi dekhini.	No, I have not seen a desert.
ওখানে তো খুব গরম হয়।	ओखाने तो खूब गॉरोम हॉये।	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	Okhane to khub gaurom hauyey.	It's very hot there.
হ্যাঁ, কিন্তু রাতে বালি ঠাণ্ডা হয়ে যায়।	हैं, किन्तु राते बाली ठांडा हॉये जाए।	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडा हो जाता है।	Hain, kintu rate baali thanda hoye jaae.	Yes but the sand becomes cold at night.
আমিও মরুভূমি দেখতে চাই।	आमियो मॉरुभूमि देखते चाई।	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहता हूँ।	aamio morubhumi dekhte chai.	I would also like to see the desert.
গতবছর গরমের ছুটিতে আমি আমার পরিবারের সঙ্গে পাহাড় দেখতে গিয়েছিলাম।	गॉतो बॉछोर गॉरोमेर छूटीते आमि आमार पॉरिबारेर शौंगे पाहाड़ देखते गीयेछीलाम।	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों में घूमने गया था।	Gauto bouchor gouromer chutite aami aamaar poribaarer shaunge pahar dekhte giyechilam.	I had visited the mountains with my family during Last summer holidays.

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
ওখানে শীতকালে প্রচুর তুষারপাত হয়।	ओखाने शीतकाले प्रोचूर तूषारपात हॉये।	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ़ गिरती है।	Okhane shitkaale prochur tusharpat hoye.	It snows a lot during winter there.
দ্বাদশ, ত্রয়োদশ, চতুর্দশ এবং পঞ্চদশ দিন উৎসব	**दादोश, त्रयोदश, चोतुरदश एबाँग पंचोदश दिन उत्सव**	**बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन उत्सव-त्योहार**	**Dadosh, troyodosh, chothurdosh ebong ponchodosh din Utsab**	**Twelfth, Thirteenth, Forteenth and Fifteenth day Festival**
তোমারপ্রিয়উৎসবকি?	तोमार प्रियो उत्शॅब की?	आपका पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	Tomaar priyo utshab ki?	Which is your favorite festival?
আমার প্রিয় উৎসব দুর্গাপূজা।	आमार प्रियो उत्शॅब दूर्गा पूजा।	मेरा पसंदीदा त्योहार दिवाली है।	aamar priyo utshab durga pujaa.	My favorite festival is Durga Puja.
আমারও দুর্গাপূজা খুব ভালো লাগে।	आमारो दूर्गा पूजा खूब भालो लागे।	दिवाली मुझे भी बहुत पसंद है।	aamaro durga pujaa khub bhalo laage.	I like Durga Puja very much.
কিন্তু আমার দোল বেশি ভালোলাগে।	किन्तू आमार दोल बेशी भालो लागे।	लेकिन मुझे होली ज़्यादा पसंद है।	Kintu aamar dol beshi bhalo laage.	But I like Holi more.

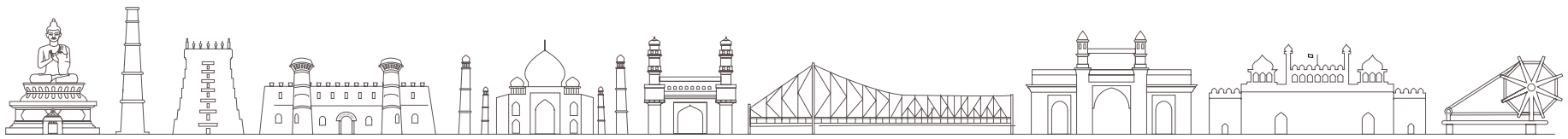

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
আমরা দোলের সময় খুব রঙ নিয়ে খেলি।	आमरा दोलेर शॉमॉय खूब रौंग निये खेलि।	होली में हम खूब रंग खेलते हैं।	aamra doler shomoye khub rawng niye kheli.	During Holi we play a lot with colours.
উৎসবের সময় আমরা প্রচুর মিষ্টি খাই।	उत्शॅबेर शॅमौय आमरा प्रोचूर मिशटी खाई।	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ खाते हैं।	Utshaber shomaye aamra prochur mishti khaee.	We eat a lot of sweets during festivals.
হ্যাঁ, কিন্তু সেমুই ইদের বিশেষ খাবার।	हैं, किन्तू शेमुई ईदेर बिशेष खाबार।	हाँ, लेकिन सेवईयाँ ईद का खास पकवान है।	Hain, kintu shemoi eider bishesh khabar.	Yes, seviyan are special dish of Eid.
উৎসবের সময় মেলায় ঘুরে বেড়াতে খুব ভালোলাগে।	उत्शॅबेर शॅमौय मैलाये घूरे बैड़ाते खूब भालो लागे।	त्योहारों के समय मेले में घूमना भी बहुत अच्छा लगता है।	ootshaber shomaye mailaye ghure beirate khub bhalo laage.	I like to roam around in Fairs during festivals.
হ্যাঁ, আমারও ঘুরে বেড়াতে খুব ভালোলাগে।	हैं, आमारो घूरे बैड़ाते खूब भालो लागे।	हाँ मुझे भी घूमना बहुत पसंद है।	Hain, Amaro ghure beiraate khub bhalo laage.	Yes, even I like to move around.
তোমার বিদ্যালয়ে স্বাধীনতা দিবস কিভাবে পালন করা হয়?	तोमार विद्यालये शाधीनॉता दिबॅश कि भाबे पालॉन कॉरा हॉये?	आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मेनाया जाता है?	Tomaar bidyalaye shaadhinota dibosh ki bhabe paalon kaura hoye?	How is Independance day celebrated in your school?

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
আমরা পতাকা উত্তোলন করি, জাতীয়সঙ্গীত গাই, আর লাড্ডুও খাই।	आमरा पॉताका उत्तॉलोन कॉरी, जातियो शोंगित गाई, आर लाड्डूओ खाई।	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्र गान गाते हैं, लड्डू भी खाते हैं।	aamraa pautaka uttolon kori, jatiyo shongeet gai, aar ladduo khai.	We hoist flag, sing the national anthem, and eat laddoos too.
এইভাবে গনতন্ত্র দিবসও পালন করা হয়।	एई भाबे गॉनोतॉन्त्रो दिबॉश ओ पालोन कॉरा हौए।	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	Eibhabey gaunotantro dibosh palone kora hoye.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
২অক্টোবর গান্ধীজয়ন্তী উপলক্ষে আমরা স্বচ্ছতা দিবস পালন করি।	2 ऑक्टोबॉर गांधी जॉयॉन्ती उपॉलॉक्खे आमरा शॉच्छॅता दिबॉश पालोन कोरी।	2 अक्तूबर को गांधी जयन्ती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	2 October Gandhi joyanti upolokkhe aamra shauchota dibosh palon kori.	We observe Swachhta Diwas on the birth anniversary of Mahatma Gandhi on 2nd October.
২১শে ফেব্রুয়ারি আমাদের বিদ্যালয়ে আমরা মাতৃভাষা দিবস পালন করি।	21 फैबरुवारी बिद्यालॉये आमरा मातृ भाषा दिबॉश पालोन कोरी।	स्कूल में मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है जो 21 फरवरी को होता है।	21 february biddalaye aamra maatribhasa dibosh palon kori.	Mother Tongue Day is also celebrated in our school on 21st February every year.

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
ষষ্ঠদশ এবং সপ্তদশ দিন সম্পর্ক	**शौष्टोदौश एबौंग शौप्तोदौश दिन-शौम्पोर्को**	**सोलहवाँ और सत्रहवाँ दिन रिश्ते/नाते**	**Shosthodaush ebong shauptodaush din Shomporko**	**Sixteenth & Seventeenth day Relations**
তোমার ঘরে কে কে আছেন?	तोमार घौरे के के आछेन?	आपके घर में कौन-कौन हैं।	Tomaar ghaure ke ke aachen?	Who lives in your home?
আমাদের বাড়িতে আমার বাবা–মা, ঠাকুরদা–ঠাকুরমা,কাকা–কাকীমা আর আমার বোন থাকে।	आमादेर बाड़ीते आमार बाबा-माँ, ठाकुरदा-ठाकुरमाँ, काका-काकीमाँ, आर आमार बॉन थाके।	मेरे घर में माँ-पिताजी, दादा-दादीजी, चाचा-चाची और हमारी बहन है।	aamader baarite amaar baba – maa, thakurda – thakurma, kaka – kakima aar amar bon thake.	My father, mother, grand father, grand mother, uncle, aunt and my sister are there in my home.
৪৪.আচ্ছা, তুমি কি কখনো তোমার মামারবাড়ি যাও?	आच्छा, तुमि कि कॉखोनो तोमार मामार बाड़ी जाओ?	अच्छा तो क्या आप कभी अपने मामा के घर जाते हो?	Achha, tumi ki kakhono tomaar maamaar bari jao?	Good! Do you visit your maternal uncle's house?
হ্যাঁ, ছুটির সময় আমি আমার মামারবাড়ি যাই। ওখানে খুব ভালোলাগে।	हैं, छूटीर शॉमोये आमि आमार मामार बाड़ी जाई। ओखाने आमार खूब भालो लागे।	हाँ! मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाता हूँ। वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	Hain, chuteer shomoye aami aamar maamaar baari jai. Okhane aaamaar khub bhalo laage.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.

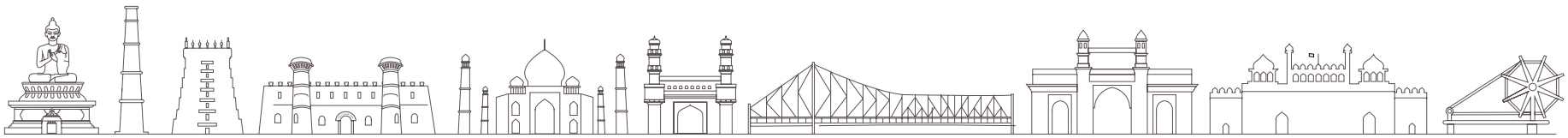

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
ওখানে আমার মামা–মামী, মাসি, আর দাদু–দিদা থাকেন।	ओखाने आमार मामा-मामी, माशी आर दादू-दीदा थाकेन।	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	Okhane aamar maamaa-maami, maashi aar daadu-didaa thaken.	My maternal uncle-aunt, mother's sister, and grandparents live there.
আমাদের দিদা আমাদের অনেক গল্প বলেন।	आमादेर दीदा आमादेर ऑनेक गॉलपो बॉलेन।	हमारी नानी हमें बहुत कहानियाँ सुनाती हैं।	aamaader didaa aamaader onek golpo bolen.	Our grandmother tells us a lot of stories.
তুমিও কি তোমার মামারবাড়ি যাও?	तूमीओ कि तोमार मामार बाड़ी जाओ?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाते हो?	Tumi o ki tomaar maamaar baari jao?	Do you also visit your maternal uncle's house?
হ্যাঁ, আমি আমার মামা আর পিসি–দুজনেরই বাড়ি যাই।	हैं, आमि आमार मामा आर पीशी – दूजोनेरी बाड़ी जाई।	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाता हूँ।	Hain, aami amaar maamaa aar pishi – dujoneri bari jai	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house every year?
আমার পিসির বাড়িতে একটা কুকুর আর একটা বিড়াল আছে।	आमार पीशीर बाड़ीते एकटा कूकूर आर एकटा बेड़ाल आछे।	मेरी बुआ के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	Amaar pishir baarite ektaa kukur aar ektaa beraal aache.	My aunt has a dog and a cat in her house.

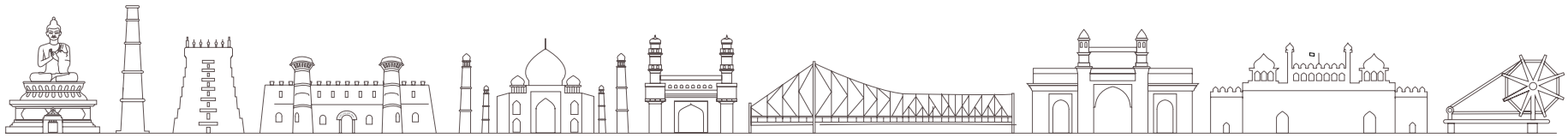

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
আমার ঘরে একটা গরু আর বাছুর আছে।	आमार घौरे एकटा गॉरु आर बाछूर आछे।	मेरे घर में तो गाय और बछड़े हैं।	Amaar ghaure ektaa goru aar bachur aache.	I have a cow and a calf in my house.
আমাদের গ্রামে ছাগল আর মহিষ ও আছে।	आमादेर ग्रामे छागोल आर मोहिशओ आछे।	हमारे गाँव में भैंस और बकरियाँ भी हैं।	Amaader graame chaagol aar mohish o aache.	Goats and buffaloes also live in my village.
আমার ঘরে একটা টিয়াপাখি ছিল। একদিন ওটা উড়ে গেল। আমি খুব আনন্দ পেয়েছি।	आमार घौरे एकटा टीया पाखी छिलो। ऐकदिन ओटा उड़े गैलो। आमि खूब आनॉन्दो पेयेछी।	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	Amaar ghaure ektee teeya pakhi chilo. aik din ota udey geilo. aami khub anondo payechi.	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.
অষ্টাদশ এবং উনবিংশদিন যাত্রা	ऑष्टोदौष एबाँग उनोबिंशो दिन जात्रा	अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन यात्रा	Asthoadosh ebong unobinsho din jaatra	Eighteenth and Ninteenth day Travel
বিদ্যালয়ে ছুটির সময় তুমি কোথায় যেতে চাও?	विद्यालये छूटीर शॉमॉय तुमि कोथाये जेते चाओ?	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करते हैं?	bidyalaye chutir shomoye tumi kothae jete chao?	Where do like to visit during the holidays?

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
গ্রীষ্মের ছুটির সময় আমি পাহাড়ে যাওয়া পছন্দ করি	ग्रीश्शेर छूटीर शॅमॉय आमि पाहाड़े जावा पौछोन्दो कोरी।	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	Grissher chuteer shomoye aami pahare jawa pauchhondo kori.	I like to visit Himalayas during summer holidays.
এবার ছুটির সময় তুমি কোথায় যেতে চাইছো?	एबार छूटीर शॅमॉय तुमि कोथाये जेते चाईछो?	तो इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाले हो?	ebaar chuteer shomaye tumee kothai jete chaicho?	Where are you planning to visit in this vacation.
এইবার ছুটির সময় আমি সিকিম অথবা কাশ্মীর যাব।	एईबार छूटीर शॅमॉय आमि सिक्किम ओथोबा काशमीर जाबो।	मैं तो इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाला हूँ।	Eibaar chuteer shomoye aami Sikkim othoba Kashmir jaabo.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in the holidays.
আমার ইচ্ছে শীতের ছুটিতে আমি গোয়া বা আন্দামানে যাই।	आमार इच्छे, शीतेर छूटीते आमि गोआ बा आन्डामाने जाई।	मेरी इच्छा तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	Aamar ichchey shitter chuttitey aami Goa ba Andaman jaee.	I would like to go to Goa or Andaman during the winter holidays.
আরে! আন্দামান তো সমুদ্রের মধ্যে আছে, ওখানে কিভাবে যাওয়া যায়?	आरे! आन्डामान तो शॉमूद्रेर मॉद्धे आछे, ओखाने कि भाबे जावा जाये?	अरे! अंडमान तो समुद्र के अंदर है, वहाँ कैसे जाते हैं?	Aarey! aandaman to somudrer moddhe ache, okhane ki bhabe jawa jaee?	Andaman is in the Ocean, how do people go there?

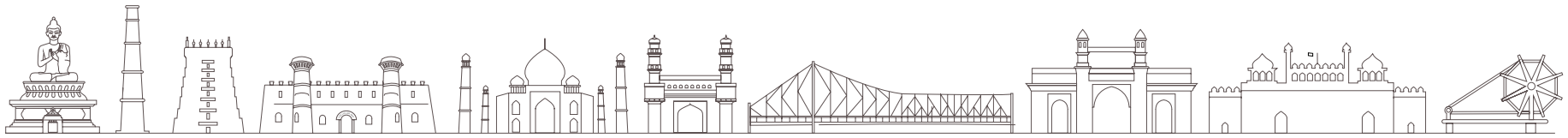

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
ওখানে জলজাহাজ বা বিমানে– দুভাবেই যাওয়া যেতে পারে।	ओखाने जॉलोजाहाज बा बिमाने – दूभाबेई जावा जेते पारे।	वहाँ हवाई जहाज़ और पानी वाले जहाज़ दोनों से ही जा सकते हैं।	Okhane jalojahaj baa bimaane – dubhabei jawa jete pare.	One can go there by a ship or an aeroplane.
বিংশদিন স্বপ্ন/লক্ষ্য	**बिंशो दिन शपनो/लोखो**	**बीसवाँदिन सपने/लक्ष्य**	**Binsho din Shapno/Lokkho**	**Twentieth day Dream**
পড়াশুনা শেষ করে তুমি কি করতে চাও?	पॉड़ाशूना शेष कोरे तुमि कि कॉरते चाओ?	आप पढ़-लिख कर क्या करना चाहते हैं?	Podashuna shesh kore tumi ki korte chao?	What do you want to do after your studies?
আমি একজন লেখক/ লেখিকা হতে চাই।	आमि ऐकजॉन लेखॉक/ लेखिका होते चाई।	मैं लेखक बनना चाहती/चाहता हूँ।	aami ekjon lekhok/ lekhika hote chai.	I want to be a singer. I want to be a writer.
আমি আমাদের পারিবারিক ব্যবসায় সাহায্য করব ।	आमि आमादेर पारिबारिक बैबशाये शाहाज्जो कोरबो।	मैं अपने घरेलू व्यवसाय में सहयोग करूंगा।	aami amader paribarik baibshaye shahajjo korbo.	I want to support our family business.
মানে কোন ধরনের ব্যবসা?	माने कॉन धॉरोनेर बैबशा?	जैसे, किस तरह का व्यवसाय?	Maane kon dhoroner baibshaa?	Like what kind of business.

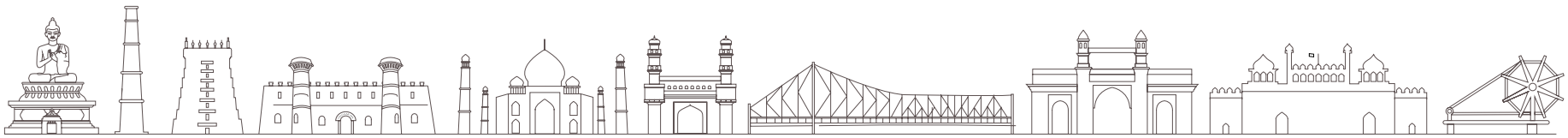

Bengali	Bengali Devanagri	Hindi	Bengali Roman	English
চাষ- বাষ, বাগান, দোকান, কাপড়ের ব্যবসা ইত্যাদি।	चाश-बाश, बागान, दोकान, कापोड़ेर बैबशा।	खेती-बाड़ी/ बाग़वानी/ दुकान/ कपड़े का व्यवसाय।	Chaash-baash, baagaan, dokaan, kaporer baiboshaa.	Farming, gardening, shop, cloth business.
আমি রাজনীতিতে যোগ দিতে চাই।	आमि राजनीतिते जोग दिते चाई।	मैं राजनीति में जाना चाहता हूँ।	Aami rajnitite jog dite chai.	I want to join politics.
আমার স্বপ্ন হলো এভারেস্টে চড়া।	आमार शॅपनो होलो ऐवारेस्टे चॉढ़ा।	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	Aamar shapno holo everest e chora.	My dream is to climb the Mount Everest.
আমি একজন সৈন্য হতে চাই।	आमि ऐकजॉन शॉईनो होते चाई।	मैं तो सैनिक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	Aami ekjon soino hote chai.	I want to become a soldier.

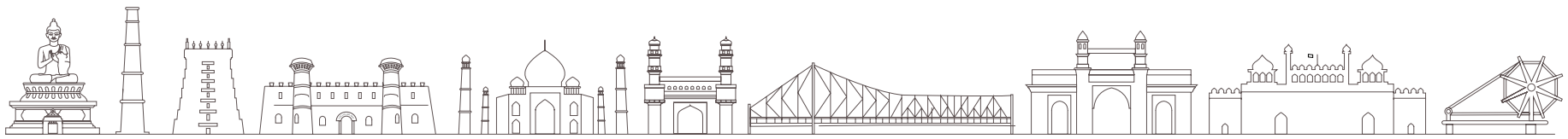

Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

For queries and comments please contact:

The Joint Director
Central Institute of Educational Technology (CIET)
NCERT, New Delhi 110016

E-Mail: jdciet.ncert@nic.in

Phone: 91-11-26962580

The Head
Department of Education in Languages
NCERT, New Delhi 110016

E-Mail: del.ncert@gmail.com

Phone: 91-11-26565336

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
Tel: +91-11-26519154 Fax: +91-11-26519159
Email: director.ncert@nic.in